



Naveen



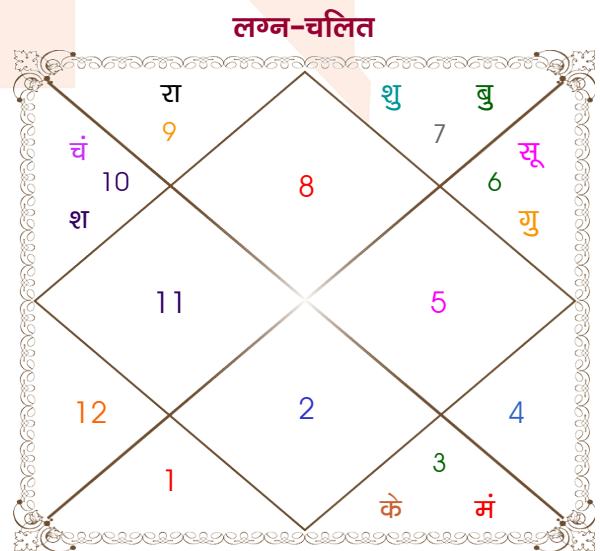
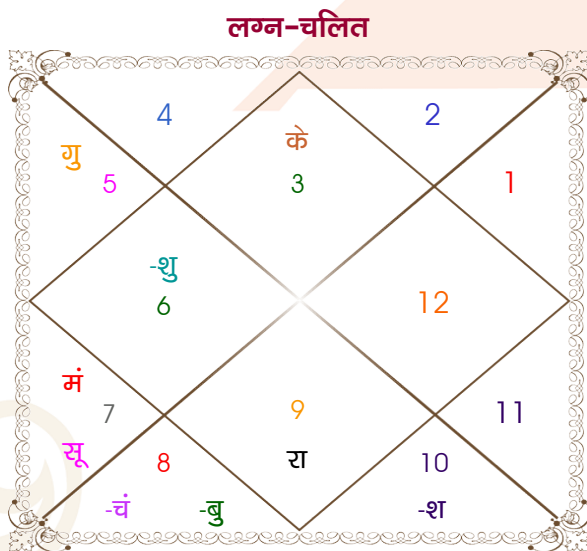
Neetu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121841202

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/11/1991 :	जन्म तिथि	: 05/10/1992
गुरुवार :	दिन	: सोमवार
घंटे 21:35:00 :	जन्म समय	: 10:15:00 घंटे
घटी 39:37:33 :	जन्म समय(घटी)	: 11:55:00 घटी
India :	देश	: India
Bhatpara :	स्थान	: Shahpura
22:51:00 उत्तर :	अक्षांश	: 25:38:00 उत्तर
88:31:00 पूर्व :	रेखांश	: 75:01:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:24:04 :	स्थानिक संस्कार	: -00:29:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:43:58 :	सूर्योदय	: 06:24:02
16:55:09 :	सूर्यास्त	: 18:12:16
23:44:51 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:45:38

विंशोत्तरी शनि 16वर्ष 6मा 9दि केतु 18/05/2025 17/05/2032	अंश 29:59:28 20:59:59 05:04:11 21:13:20 10:43:48 16:42:54 04:34:45 07:22:28 17:29:32 17:29:32 17:05:41 20:43:52 26:19:23	राशि मिथु तुला वृश्चि तुला वृश्चि सिंह कन्या मक धनु मिथु धनु धनु तुला	ग्रह लग्न सूर्य चंद्र मंगल बुध गुरु शुक्र शनि राहु केतु हर्ष नेप प्लूटो	राशि वृश्चि कन्या मक मिथु तुला कन्या तुला मक धनु मिथु धनु धनु तुला	अंश 08:19:52 18:26:25 06:10:29 18:22:39 02:49:17 05:06:01 18:31:26 18:09:32 00:54:09 00:54:09 20:20:50 22:26:09 27:33:58	विंशोत्तरी सूर्य 1वर्ष 8मा 19दि राहु 26/06/2011 25/06/2029	राहु 08/03/2014 गुरु 01/08/2016 शनि 08/06/2019 बुध 25/12/2021 केतु 13/01/2023 शुक्र 12/01/2026 सूर्य 07/12/2026 चन्द्र 07/06/2028 मंगल 25/06/2029
---	--	---	---	--	--	---	---



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

Naveen का वर्ग सर्प है तथा Neetu का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।
अष्टकूट मिलान के अनुसार Naveen और Neetu का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Naveen मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।
Neetu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

**यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा ।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत् ।**

शनि यदि एक की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Naveen की कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Naveen तथा Neetu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।